

लिखने वाला या वाचन करने वाला, कवि 2. शेर कहने वाला।

शायरा स्त्री. (अर.) उर्दू भाषा में लिखे शेर (कविता) पढ़ने वाली या 'शेर' रचने वाली स्त्री, कवयित्री।

शायराना वि. (अर.) 1. शायर-जैसा, कवि-सा 2. कवित्वमय 3. कवितामय जैसे- शायराना अंदाज 4. अतिरंजित।

शायरी स्त्री. (अर.) 1. शेर बोलना 2. कविता पढ़ना 3. कवि कर्म 4. किसी शुभ अवसर पर एकत्रित शायरों द्वारा अपने अपने ढंग से शेर पढ़ना 5. अतिरंजना।

शाया वि. (अर.) 1. जो प्रकट हो 2. विज्ञापित 3. मुद्रित होकर प्रकाशित (पुस्तक आदि)।

शायिका स्त्री. (तत्.) 1. शयन 2. शयनपट्टिका 3. रेलगाड़ी के शयनयान कक्ष में यात्रियों के शयन के लिए निर्धारित स्थान। berth

शायी वि. (तत्.) 1. निद्रावश सोने वाला 2. लेटने वाला।

शारंग वि. (तत्.) 1. सारंग 2. नानावर्ण, बूंदोवाला, चितकबरा 3. रंजित 4. सरस 5. सुंदर 6. लाल रंग का पुं. 1. विभिन्न वर्ण 2. चित्रमृग 3. शिव 4. कृष्ण 5. कामदेव 6. शूर 7. सिंह 8. हाथी 9. भ्रमर 10. कोयल 11. खंजन 12. मयूर 13. राजहंस 14. चातक 15. मधुमक्खी 16. बादल 17. वृक्ष 18. छाता 19. वृत्त 20. शंख 21. एक राग 22. कमल 23. कपूर 24. पृथ्वी 25. विद्युत 26. रात्रि 27. अश्व 28. रत्न 29. समुद्र 30. सरोवर 31. कपोत 32. स्तन 33. वायस 34. नक्षत्र 35. हल 36. मेढ़क 37. आकाश 38. अंजन 39. चंद्रमा 40. सर्प दे. सारंग।

शारंगक पुं. (तत्.) एक पक्षी।

शारंग-धनुष पुं. (तत्.) 1. सारंग नामक धनुष को धारण करने वाले विष्णु 2. श्रीकृष्ण।

शारंगपाणि पुं. (तत्.) 1. हाथ में सारंग नामक धनुष को धारण करने वाले विष्णु 2. श्रीरामचंद्र 3. श्रीकृष्ण।

शारंगभृत् पुं. (तत्.) 1. सारंग धनुष को धारण करने वाले विष्णु 2. श्रीकृष्ण।

शारंगवत पुं. (तत्.) कुरुवर्ष नामक देश।

शारंगष्टा स्त्री. (तद्.) 1. गुंजा, घुँघची 2. काकजंघा 3. मकोय।

शारंगी स्त्री. (तत्.) संगी. सारंगी नामक एक वाद्ययंत्र जो गज से बजाया जाता है।

शार वि. (तत्.) 1. कई रंगों वाला, चितकबरा 2. पीला 3. नीले पीले और हरे रंग का पुं. 1. एक प्रकार का पासा 2. वायु 3. हिंसा 4. शतरंज का मोहरा स्त्री. कुशा (एक प्रकार की तीखी पत्तियों वाली घास)।

शारक स्त्री. (तत्.) मैना।

शारणिक वि. (तत्.) 1. शरण चाहने वाला, शरणार्थी 2. शरण देने वाला।

शारद वि. (तत्.) 1. शरद ऋतु में होने वाला 2. शरद संबंधी 3. वार्षिक 4. नवीन, ताजा 5. शालीन, लज्जाशील पुं. 1. वर्ष 2. बादल 3. मौलसिरी 4. श्वेतकमल 5. काँस नामक तृण 6. हरी मूँग 7. शरत् काल में होने वाला एक रोग 8. शरत्काल की धूप।

शारदा स्त्री. (तत्.) 1. विद्या की देवी सरस्वती 2. दुर्गा 3. एक प्रकार की वीणा 4. श्यामा लता, सारिका टि. प्राचीनभारत की एक लिपि जो दसवीं शताब्दी के लगभग पंजाब और कश्मीर में प्रचलित थी, वर्तमान कश्मीरी, गुरुमुखी और टाकरी लिपियाँ इसी से विकसित हुई हैं, शारदा लिपि।

शारदाभरण पुं. (तत्.) संगी. कर्नाटकी संगीत विद्या का एक राग।

शारदिक पुं. (तत्.) 1. शरद ऋतु में होने वाला एक रोग 2. शरद ऋतु में किया जाने वाला श्राद्ध 3. वार्षिक श्राद्ध 4. शरद ऋतु की धूप।